एजुकेशन वर्ल्ड ने 2020-21 के लिए सरकारी विवि की रैंकिंग जारी की

सीयूजे बना राज्य का टॉप विश्वविद्यालय

विशेष संवाददाता ▷ रांची

एजुकेशन वर्ल्ड संस्था द्वारा जारी सरकारी विश्वविद्यालय की इंडिया रैंकिंग में केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) राज्य का टॉप विवि बन गया है. जबकि देश के 150 टॉप विवि में सीयूजे को 88वां स्थान मिला है. इस विवि को कुल 1300 अंकों में से 768 अंक प्राप्त हुए हैं. झारखंड से किसी अन्य विवि का नाम इस सूची में नहीं है. पिछले वर्ष विवि को नैक की रैंकिंग भी प्राप्त हुई थी. इंडिया रैंकिंग प्राप्त करने के लिए कुल 10 मापदंडों को आधार बनाया गया था. विवि के कुलसचिव एलएस हरिकुमार ने बेहतर रैंकिंग के लिए कुलपति डॉ नंद कुमार यादव के नेतृत्व में निरंतर प्रयास का फल बताया है. इस रैंकिंग में देश में पहला स्थान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आइआइएस) बेंगलुरू को प्रथम स्थान मिला है. दूसरे स्थान पर टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च मुंबई व तीसरे स्थान पर जेएनयू दिल्ली रहा.

देश के टॉप 150 विश्वविद्यालय में सीयूजे का स्थान 88वां

किस केटेगरी में कितने अंक

सूची में स्थान पाने के लिए सीयूजे को शैक्षणिक कर्मियों की कार्यकुशलता के लिए निर्धारित 150 में 121 अंक, शैक्षणिक कर्मियो के कौशल विकास कल्याण के लिए निर्धारित 100 अंकों में से 72 अंक, पाठ्यक्रम आधारित गतिविधियों में 100 में से 62 अंक, उद्योग जगत से जुड़ाव के लिए 100 में से 61 अंक, रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए 100 में से 58 अंक, अंतरराष्ट्रीय संपर्क के लिए 100 में से 62 अंक, नेतृत्व व प्रशासनिक गुणवत्ता के लिए 100 में से 68 अंक, पाठ्यक्रमों की विविधता के लिए 100 में से 72 अंक प्राप्त मिले हैं.

इस रैंकिंग से विवि का राष्ट्रीय स्तर पर मान बढ़ा है. इसके लिए विवि के सभी कर्मी, अधिकारी, शिक्षक व विद्यार्थी बधाई के पात्र है. यह उपलब्धि केवल विवि के लिए न होकर समस्त शैक्षणिक जगत और झारखंड के लिए है. कार्यभार संभालते समय ही ठान लिया था कि विवि को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास होगा. विवि की रैंकिंग और बेहतर करने की दिशा में अधिक तन्मयता से कार्य करना होगा.

डॉ नंद कुमार यादव, वीसी, सीयूजे

कुलपति के नेतृत्व में सीयूजे बना झारखंड का टॉप विश्वविद्यालय

देशप्राण संवाददाता

रांची, 31 मई : झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने वर्ष 2020 के एजुकेशन वर्ल्ड संस्था द्वारा जारी रैंकिंग में झारखंड राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वर्तमान वर्ष में सीयूजे एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा जारी भारतीय विश्वविद्यालयों की सूची में स्थान पाने वाला झारखंड का एकमात्र सरकारी विश्वविद्यालय है। कुलपति नंद कुमार यादव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की दिशा में लगातार सक्रिय प्रयास कर रहा है। इसी प्रयास के अंतर्गत पिछले वर्ष विश्वविद्यालय को नैक की रैंकिंग भी प्राप्त हुई थी और अब प्रतिष्ठित एजुकेशन वर्ल्ड द्वारा रैंकिंग में स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड और विश्वविद्यालय की ख्याति को पहुंचाने का कार्य कर रही है।

रैंकिंग प्राप्त करने के लिए कुल

कुलपति नंद कुमार यादव

10 मापदंडों के आधार पर अर्जित अंकों को आधार बनाया जाता है। यह रैंकिंग शैक्षणिक गुणवत्ता के मापदंड का दशार्ती है तथा किसी भी उच्च शिक्षण संसथान के द्वारा इस रैंकिंग में स्थान पाना उस संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता को दर्शाता है।

सूची में स्थान पाने के लिए सीयूजे को शैक्षणिक कर्मियों की कार्यकुशलता के लिए निर्धारित 150 में 121 अंक, शैक्षणिक कर्मियों के कौशल विकास कल्याण के लिए निर्धारित 100 अंकों में से 72, पाठ्यक्रम आधारित गतिविधियों में 100 में से 62 अंक , उद्योग जगत से जुड़ाव के लिए 100 में से 61 अंक, रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए 100 में से 58 अंक,अंतरराष्ट्रीय संपर्क के लिए 100 में से 62, नेतृत्व व प्रशासनिक गुणवत्ता के 100 में से 68 अंक, पाठ्यक्रमों की विविधता के लिए 100 में से 72 अंक प्राप्त किया।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति नंद कुमार यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय कर्मियों को बधाई दी तथा कहा कि यह उपलब्धि केवल विश्वविद्यालय के लिए न होकर समस्त शैक्षणिक जगत और झारखंड राज्य के लिए है। कुलपति का कार्यभार संभालते समय ही मैंने यह ठान लिया था कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला कर रहूंगा। इसी प्रयास के अंतर्गत पिछले वर्ष विश्वविद्यालय ने पहली बार नैक रैंकिंग में भाग लिया।

सरकारी विश्वविद्यालयों में झारखंड केंद्रीय विवि टॉप पर

जागरण संवाददाता, रांची : वर्ष 2020 के एजुकेशन वर्ल्ड संस्था द्वारा जारी रैंकिंग में राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों में झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय पहले स्थान पर रहा। झारखंड से केवल सीयूजे ही सूची में शामिल हैं। जारी सूची में कुल 1300 अंकों में से सीयूजे को 768 अंक मिला है। रैंकिंग प्राप्त करने के लिए कुल 10 मापदंडों के आधार पर अर्जित अंकों को आधार बनाया गया। यह रैंकिग शैक्षणिक गुणवत्ता के मापदंड को दिखाता है। सीयूजे को शैक्षणिक कर्मियों की कार्यकुशलता के लिए निर्धारित 150 में 121 अंक, शैक्षणिक कर्मियों के कौशल विकास कल्याण के लिए 100 अंकों में से 72, पाठ्यक्रम आधारित गतिविधियों में 100 में से 62 अंक, उद्योग जगत से जुड़ाव के लिए 100 में से 61 अंक, रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए 100 में से 58 अंक, अंतरराष्ट्रीय संपर्क के लिए 100 में से 62, नेतृत्व व प्रशासनिक गुणवत्ता के 100 में से 68 अंक, पाठ्यक्रमों की विविधता के लिए 100 में से 72 अंक मिले हैं। बीते वर्ष विश्वविद्यालय को नैक की रैंकिंग भी प्राप्त हुई थी। वीसी ने विद्यार्थियों एवं विवि कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि राज्य के लिए महत्वपूर्ण है। मेरा एक ही उद्देश्य है सीयूजे को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना। कुलसचिव डॉ. एसएल हरि कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय वीसी के अथक प्रयासों को बताया।